शासकीय उपयोग हेतु

प्रतिवेदन क्रमांक–634

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र (चॉड़ा) जिला-डिण्डौरी (म.प्र.) का मूल्यांकन अध्ययन

वर्ष : 2017–18

निर्देशन – **श्री प्रेमचन्द मीना**
संचालक

मार्गदर्शन – **श्री नीतिराज सिंह**
संयुक्त संचालक

– **श्रीमती मधु गुप्ता**
अनुसंधान अधिकारी

क्षेत्रीय कार्य एवं प्रतिवेदन – **एम.डी. कनेरिया**
अनुसंधान सहायक

आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्था, म.प्र.शासन
35, श्यामला हिल्स, भोपाल (म0प्र0)

अध्याय– एक

प्रस्तावना

रेडियो अपने विस्तार और अतिशीघ्र संदेश प्रसारित करने की क्षमता के कारण समाचार एवं अन्य श्रव्य जानकारी संप्रेषित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। भारत जैसे अशिक्षित या अर्धशिक्षितों की बहुलता वाले देश में रेडियो अपने आप में एक स्वतंत्र एवं महत्वपूर्ण विधा है। क्योंकि रेडियो पर विभिन्न विषयों पर वार्ताऐं, समाचार, खेती–किसानी संबंधी जानकारी, शासन द्वारा समय–समय पर संचालित योजनायें, क्षेत्रीय लोकगीत, चिंतन, भजन–संगीत, स्वास्थ्य, ज्ञान विज्ञान, खेलकूद, क्षेत्रीय घटनायें आदि को सुना जा सकता है।

भारत में पहला रेडियो प्रसारण "बाम्बे बाल्ब" द्वारा जून, 1923 में किया गया था। 1930 में भारत सरकार ने मुम्बई और कोलकत्ता स्थित दो निजी ट्रांस्मीटरों का अधिग्रहण करके "भारतीय प्रसारण सेवा" की स्थापना की गई। 1936 में इसका नाम बदलकर "आकाश वाणी" हो गया।

वर्तमान में सम्पूर्ण भारत में "विविध भारती" के 43 केन्द्र हैं। इस समय आकाश वाणी की पहुॅच 92 भारतीय भू–भाग एवं 98 प्रतिशत जनसंख्या तक है। शहरों की अपेक्षा दूर–दराज बसे ग्रामों में रेडियो बहुत अधिक सुना जाता है। भारत सरकार ने रेडियो की महत्ता को ध्यान में रखते हुए "आकाश वाणी" को अलग विभाग के रूप में गठित किया गया है। आज सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सभी विभागों में आकाश वाणी सबसे बड़ा है।

सामुदायिक रेडियो

भारत में एफ एम रेडियो की सफलता के बाद सरकार ने विभिन्न शिक्षण संस्थानों यथा–अखिल भारतीय तकनीकी संस्थान, अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान, कृषि विकास से संबंधित केन्द्र, खेती से संबंधित विश्वविद्यालयों एवं अन्य विश्वविद्यालयों तथा एन.जी.ओ. (प्रायवेट संस्थानों) को एक लाइसेंस देकर सामुदायिक रेडियो नामक प्रसारण सेवा प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान कर दी है। अन्ना यूनीवर्सिटी चैन्नई द्वारा 2 फरवरी,2004 में देश का पहला केम्पस रेडियो प्रारंभ

किया। इसके बाद तो अनेक विश्वविद्यालयों ने लाइसेंस लेकर अपने–अपने केम्पस रेडियो खोल दिये गये।

सामुदायिक रेडियो का अर्थ यह है कि एक समुदाय विशेष की आवश्यकतों के अनुसार दूर–दराज जंगलों/ग्रामों में छोटे भू–भाग पर बसे समुदाय तक रेडियो के कार्यक्रमों का प्रसारण करना हैं।

इस सेवा का मुख्य उद्देश्य कम्यूनिटी रेडियो से जुड़े हुए सदस्यों को एक आधार प्रदान करके उनको विभिन्न सूचनाओं के माध्यम से एक दूसरे से जोड़े रखना है। ये छोटे रेडियो केन्द्र मुख्यतः शिक्षण संस्थाओं द्वारा ही चलाये जाते हैं। इनकी प्रसारण सेवा का दायरा लगभग 10 से 15 मीटर होता है। इस क्षेत्र में यह सेवा बड़ी शीघ्रता से सूचनाओं को संप्रेषित कर सकती है। यह सेवा मुख्यतः खेती–बाड़ी, शैक्षणिक, विकासात्मक, स्वास्थ्य, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रसारण करती है। इस सेवा के कार्यक्रम मुख्य रूप से अपनी कम्यूनिटी की रूचि एवं आवश्यकताओं के अनुसार प्रसारित किये जाते है। प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में 50 प्रतिशत कार्यक्रम ऐसे होते हैं, जिनमें उसी कम्यूनिटी के व्यक्ति हिस्सा लेते हैं।

म.प्र. शासन जनजातीय कार्य विभाग, जनजातियों की कला, संस्कृति, उनकी परम्पराओं, आस्थाओं, मान्यताओं, बोली–भाषा आदि के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु दृढ़ संकल्पित है। जनजातियों की संस्कृति, परम्परायें, बोली–भाषा विलुप्त न हो एवं दूर–दराज जंगलों में बसे जनजातीय समुदायों जो विकास की दौड़ में काफी पीछे हैं, वह भी विकास की मुख्य धारा में आगे आ सकें एवं आने वाली पीड़ी अपनी स्वयं की बोली–भाषा एवं परम्पराओं, मान्यताओं आदि से रूबरू हो सकें तथा वह विकासन्मुख समाज में अपनी पहचान बना सकें तथा शासन एवं विभाग स्तर से संचालित होने वाली योजनाओं, गतिविधियों की जानकारी दूर–दराज जंगलों में प्रदेश के अंतिम सिरे पर बसे जनजातीय समुदाय तक आसानी से पहुॅचाई जा सकें।

इसी क्रम में आदिम जाति कल्याण विभाग के उपक्रम वन्या ने सामुदायिक रेडियो प्रसारण सेवा की पहल/नवाचार करते हुए म.प्र. के पिछड़े हुए जनजातीय बहुल क्षेत्रों में कम्यूनिटी रेडियो केन्द्रों की स्थापना की गई। विभिन्न जनजातीय

समूहों की सांस्कृतिक विरासत, बोली–भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रोत्साहन हेतु तथा शासन द्वारा जनजातियों के विकासार्थ संचालित योजनाओं के प्रचार–प्रसार करने के उद्देश्य से वर्ष 2011–12 एवं वर्ष 2012–13 में प्रदेश के विभिन्न जनजातीय बहुल जिलों में सामुदायिक रेडियो केन्द्र प्रारंभ किये गये।

अपनी विशिष्ट जनजातीय परम्पराओं व संस्कृति के परिचायक जनजातीय समुदाय के लिये उनकी अपनी ही बोली–भाषा में वन्या द्वारा संचालित वन्या सामुदायिक रेडियो म.प्र. शासन की अनूठी पहल है। जनजातीय समुदाय सुदूर वनांचलों में बसा है, उनके विकास हेतु शासन/विभाग द्वारा संचालित लोक कल्याणकारी सूचनाओं/योजनाओं, संदेश, कृषि स्वास्थ्य, शिक्षा आदि से संबंधित जानकारी को सुगमता से उनकी अपनी ही बोली–भाषा में मनोरंजक ढंग से प्रस्तुत करवाने हेतु शासन द्वारा वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र का प्रथम बार प्रसारण दिनांक 24 जुलाई, 2013 को मध्यप्रदेश के डिण्डौरी जिले के वन ग्राम चॉडा, जो कि बैगा चक में स्थित है, में किया गया। यह क्षेत्र परम्परागत औषधियों के लिये जाना जाता है। यह क्षेत्र बैगा जनजाति बहुल क्षेत्र है। बैगा समाज की भाषा बैगानी है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए उनके अनुरूप रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण बैगानी बोली में किया जा रहा हैं, जिसकी फ्रिक्वैंसी 90.4 मेगा हर्टज (एफ एम) है। रेडियो वन्या चॉडा का संचालन अध्यक्ष, दीक्षा वेलफेयर कल्चरल सोसाइटी, भोपाल के द्वारा किया जा रहा है। वनग्राम चॉडा डिण्डौरी जिले के बजाग विकास खण्ड अंतर्गत स्थित है। वर्ष 2011 के अनुसार इस क्षेत्र की आबादी 71611 है। रेडियो का प्रसारण क्षेत्र रेडियो केन्द्र से लगभग 15–20 कि.मी. रेंज तक होता है। इस रेंज में आने वाले ग्रामों में निवासरत जन समुदाय पर इसके प्रभाव का आकलन किया जा सकता है। वन्या रेडियो द्वारा स्थानीय सांस्कृतिक सामाजिक, कल्याणकारी, ज्ञानवर्धन से जुड़े कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनचेतना जाग्रति के साथ ही जन–जन तक शासन की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुॅचाइ जा सकता है। वन्या रेडियो जनजातीय समुदाय व शासन के मध्य सेतु का कार्य करता है।

वन्या द्वारा संचालित वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र स्थापित करने का उद्देश्य–

1. विभाग के उपक्रम वन्या द्वारा सामुदायिक रेडियो केन्द्रों की शुरूआत करने का मुख्य उद्देश्य शहर की चकाचौंध से दूर सुदूर वनांचलों में निवासरत ऐसे जनजातीय समुदाय जो शासन/विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी के अभाव में लाभ से वंचित होने के कारण विकास की दौड़ में काफी पीछे हैं एवं वह विकास के प्रति जागरूक भी नहीं हैं। ऐसे जनजातीय समुदाय के जन–जन तक शासन की जन कल्याणकारी योजनाऐं उनकी ही बोली–भाषा (जो वह आसानी से समझ लेते हैं) में उन तक पहुॅच सके।
2. वह अपनी विशिष्ट संस्कृति एवं परम्पराओं आदि से रूबरू हो सकें।
3. जनजातीय समुदायों के सर्वागीण एवं सतत विकास हेतु राज्य शासन के आदिम जाति कल्याण विभाग के अभिनव प्रयास अंतर्गत ये सामुदायिक रेडियो केन्द्र पूरी तरह से उनके द्वारा और उन्हीं के लिए समर्पित होंगें। इससे न केवल उनकी कला और संस्कृति का संरक्षण होगा वल्कि ये उनकी सामाजिक व शैक्षणिक प्रगति में भी सहायक होंगे।
4. सामुदायिक रेडियो केन्द्र जिन आदिवासी बहुल क्षेत्रों में शुरू किये गये हैं, उनमें बैगा जनजाति बहुल क्षेत्र चॉडा (जिला डिण्डौरी), भीली जनजाति बहुल क्षेत्र चन्द्रशेखर आजाद नगर, भावरा (जिला अलीराजपुर), कोरकू बहुल क्षेत्र खालवा (जिला खण्डवा), नालछा (जिला धार), गोंडी बहुल क्षेत्र चिचौली (जिला बैतूल), सहरिया बहुल क्षेत्र सेसईपुरा (जिला श्योपुर), भारिया बहुल क्षेत्र बिजौरी (जिला छिंदवाड़ा) हैं। इनके अलावा वन्या द्वारा नवीन प्रस्तावित रेडियो केन्द्र बैगा बहुल क्षेत्र बैहर (जिला बालाघाट), सहरिया बहुल क्षेत्र उमरी (जिला गुना), भीली बहुल क्षेत्र मेघ नगर (जिला झाबुआ), सैलाना (जिला रतलाम), जौवट (जिला अलीराजपुर) हैं।

उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सभी सामुदायिक केन्द्रों की स्थापना की गई साथ ही सामुदायिक रेडियो केन्द्रों के संचालन करने वाले कार्यालय कर्मी व स्थानीय समुदाय के लोगों को कार्यक्रम निर्माण व प्रसारण का प्रशिक्षण व सहयोग वन्या द्वारा किये जाने का उल्लेख है।

शासन की योजनाओं को अल्प समय में सुदूर वनांचलों में निवासरत अंतिम व्यक्ति तक पहुॅचाने का प्रयास रेडियो प्रसारण के माध्यम से ही संभव हो सकता है। साथ ही एक ही समय में अनेक लोगों तक रोचक तरीके से अपनी बात पहुॅचाई जा सकती है।

वन्या रेडियो के प्रयासों से जनजातीय समाज न केवल जाग्रत हो रहा है वल्कि समाज से अलग–थलग जीवन जी रहे लोगों तक नवीन सूचनायें पहुॅचाने का कार्य इन केन्द्रों द्वारा किया जा रहा है। रेडियो वन्या द्वारा न केवल बिलुप्त होती बोलियों को संरक्षित किया जा रहा है अपितु इन बोलियों को अधिकाधिक अवसर प्रदान कर उन्हें संवर्धित करने की दिशा में सक्रिय एवं प्रभावी पहल की जा रही है। सामुदायिक रेडियो केन्द्र (स्टेशन) क्षेत्र विशेष के समुदाय उनकी अभिरूचि के अनुसार अपनी सेवायें प्रदान करते हैं। वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा द्वारा ऐसी सामग्री का प्रसारण किया जाता है जो स्थानीय/विशिष्ट श्रोताओं में लोक प्रिय होती है।

सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रम किसी व्यक्ति विशेष के लाभ से संबंधित न होकर पूरे समुदाय विशेष की उन्नति से संबंधित होते हैं। वन्या रेडियो द्वारा संबंधित समुदाय की बोली–भाषा में व्यक्तियों एवं समुदायों की उन्नति/प्रगति से संबंधित एवं ज्ञानवर्धक विविध कहानियों, घटनाओं, प्रसंगों आदि का प्रसारण किया जाता है। संबंधित जनजातीय समुदाय आर्थिक, सामाजिक, एवं भौतिक रूप से प्रगति कर जिस प्रकार से भी अपना विकास/उन्नति कर सकते हैं। इसलिए उनकी प्रगति से संबंधित सभी प्रकार के कार्यक्रम वन्या रेडियो द्वारा उन्ही की बोली–भाषा में तैयार कर प्रसारित किये जाते हैं। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, उन्नत कृषि, समाज कल्याण, सामुदायिक विकास, उनकी संस्कृति व परम्पराओं का संरक्षण किये जाने संबंधी कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।

उपरोक्त सभी उद्‌देश्यों के निर्वहन हेतु वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा बैगानी बोली के साथ स्थानीय बोली में दैनिक (रोजाना) प्रसारण कर बैगा जनजातीय समुदाय के भौतिक स्तर को उन्नत करने का प्रयास है। वन्या द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों से जनजातीय समुदाय का सीधा संबंध होता है जो कि सामुदायिक रेडियो केन्द्र का कांसेप्ट है। केन्द्र द्वारा प्रसारित किये जाने वाले सभी

कार्यक्रम बैगानी (स्थानीय) जनजातीय बोली में प्रसारित किये जा रहे हैं। शासन के मुख्य संदेश जैसे मत देना मतदाता का अधिकार है, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आदि सुदूर वनांचलों में निवासरत जनजातीय समुदाय तक पहुँचाने में रेडियो केन्द्र महती भूमिका अदा करते हैं।

अध्ययन का उद्देश्य

मध्यप्रदेश शासन, जनजातीय कार्य विभाग, के उपक्रम वन्या द्वारा संस्था को प्रेषित पत्र क्रमांक/वन्या/रेडियो/2016/449 दिनांक 22.12.2016 में उल्लेख है कि वर्ष 2011–12 से प्रदेश के विभिन्न जनजातीय समूहों की सांस्कृतिक विरासत एवं भाषाओं के संरक्षण, प्रोत्साहन तथा प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों में वन्या सामुदायिक केन्द्र स्थापित किये जाकर वन्या के माध्यम से उनका संचालन किया जा रहा है।

उक्त पत्र में यह भी उल्लेख है कि दिनांक 16.12.16 को बजट संबंधी चर्चा के दौरान प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, आदिम जाति तथा अनुसूचित कल्याण विभाग द्वारा निर्देश दिये गये कि वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्रों द्वारा प्रसारित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का संबंधित जनजातीय समुदाय पर होने वाले प्रभाव तथा उनकी उपयोगिता का अध्ययन आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान से कराया जाना चाहिए, ताकि संबंधित समुदायों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्यक्रमों का निर्माण–प्रसारण तथा उनकी उपयोगिता के आधार पर नये रेडियो केन्द्रों की स्थापना पर विचार किया जा सके।

उपरोक्त के परिपालन में वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा जिला डिण्डौरी (म.प्र.) का मूल्यांकन अध्ययन संस्था द्वारा आवंटित बिन्दुओं के आधार पर किया गया है।

उपरोक्त के परिप्रक्ष्य में अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार हैं :–

1. वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों से जनजातीय युवा वर्ग प्रोत्साहित हो रहा है अथवा नहीं।
2. वन्या सामुदायिक रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों से जनजातीय समुदाय में जनजाग्रति उत्पन्न हो रही है अथवा नहीं ।

3. वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रम जनजाति विशेष की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रसारित किये जा रहे हैं अथवा नहीं।
4. वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रम जनजातियों के लिये समाजार्थिक एवं सांस्कृतिक रूप से जनहितैसी/जनउपयोगी हैं अथवा नहीं।
5. जनजातियों के विकासार्थ शासन द्वारा संचालित विभिन्न विकासार्थक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा किया जा रहा है अथवा नहीं।

अध्याय–दो

क्षेत्र एवं जनजातीय परिचय

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र का संबंधित जनजातीय जीवन पर होने वाले प्रभाव तथा उसकी उपयोगिता संबंधी यह अध्ययन म.प्र. के डिण्डौरी जिले के बजाग विकास खण्ड अंतर्गत बैगा जनजाति बाहुल्य वन ग्राम चॉडा एवं चॉडा से 15–20 कि.मी.की रेंज में आने वाले ग्रामों व क्षेत्र से संबंधित है। यह क्षेत्र परम्परागत औषधियों के लिये जाना जाता है। ग्राम चॉडा म.प्र. का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल अमरकंटक के पास स्थित है। अमरकंटक नर्मदा नदी का उद्‌गम स्थल है। चॉडा एवं इसके आस–पास के क्षेत्र से छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा लगती है।

डण्डौरी जिला एक आदिवासी बाहुल्य जिला है। यह जिला पूर्ववर्ती मण्डला जिले के डिण्डौरी, अमरपुर, समनापुर, करंजिया, बजाग, शहपुरा एवं मेंहदवानी विकास खण्डों को अलग करके दिनांक 28 मई, 1998 को इस जिले का गठन हुआ है।

डिण्डौरी जिला 22.17–23.22 अक्षांश उत्तर और 80.35–80.58 देशांश पूर्व में स्थित है। इस जिले का कुल क्षेत्रफल 6.128 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें से 252.68 वर्ग किलोमीटर भू–भाग वनक्षेत्र है। जिले की उत्तरी सीमा उमरिया, उत्तर पश्चिम सीमा जबलपुर, दक्षिण पश्चिम सीमा मण्डला, उत्तर पूर्वी सीमा शहडोल और दक्षिण पूर्वी सीमा छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर जिले से धिरी हुई है। यह जिला समुद्री सतह से 1100 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। मेकल सुता पावन सलिला नर्मदा नदी इस जिले की प्रमुख नदी है, जो जिले के मध्य भाग से प्रवाहित होती हुई मण्डला जिले में प्रवेश करती है। चकरार, मचरार, कुतरार, विजासन, सिलगीतुड़ार, खरमेर, बुढ़नेर, टिरही, ढगोना आदि अन्य छोटी–छोटी नदियॉ हैं। मेकल सुता पर्वत श्रेणियों से घिरा डिण्डौरी जिला अपनी प्राकृतिक रमणीयता के कारण सहज ही आकर्षित करता है। गोंडवाना साम्राज्य काल के अनेक जिले डिण्डौरी जिले में स्थापित हैं।

डिण्डौरी जिले में कुल 932 ग्राम हैं, जिनमें 902 आबाद ग्राम एवं 30 वीरान ग्राम हैं। 902 आबाद ग्रामों में से 86 ग्राम वन ग्राम हैं जिसमें चॉडा भी वन ग्राम के

अंतर्गत आता है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार डिण्डौरी जिले की कुल जनसंख्या 7,04,524 है। जिसमें 6,72,206 ग्रामीण एवं 32,318 नगरीय जनसंख्या है। जिले में अनुसूचित जाति की जनसंख्या का प्रतिशत 5.65 एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का प्रतिशत 64.69 तथा अन्य एवं सामान्य जातियों की जनसंख्या का प्रतिशत 30 है। डिण्डौरी जिले में गोंडो के साथ परधान पठारी, अगरिया, भारिया, कोल, बैगा, धुलिया, वादी, सईस, पनिका, बहेलिया, धोबा, अहीर, महार, ढीमर, बर्मन आदि जातियां तथा जनजातियां निवासरत हैं। इनकी आजीविका का मुख्य साधन कृषि, एवं वनोपज है। ज्वार, मक्का, कोदों, कुटकी, धान, मसूर एवं गेंहूॅ इनकी मुख्य फसलें हैं। वर्तमान में डिण्डौरी जिले में कुल 03 तहसीलें एवं 07 विकास खण्ड हैं।

ग्राम चॉडा बजाग विकास खण्ड अंतर्गत स्थित एक वनग्राम है। जहॉ वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र स्थापित है। बजाग विकास खण्ड की कुल जनसंख्या 85,611 है। चॉडा की क्षेत्रीय भाषा बैगानी एवं हिन्दी है। चॉडा में कुल 226 घर हैं एवं इनकी कुल जनसंख्या 951 हैं, जिसमें महिलाओं की जनसंख्या 51.3 प्रतिशत है।

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा विकास खण्ड बजाग जिला डिण्डौरी में स्थित है। इस जगह से रेडियो केन्द्र वन्या की रेंज 15–20 किलोमीटर है। इस रेंज में आने वाले एवं अध्ययन किये गये कुछ प्रमुख ग्राम जैसे–चॉडा, शीतीलपानी, खम्हेरा, बैगान टोला, धुरकुटा, विक्रमपुर, ठाढ़पथरा, चकरार, कान्दावानी, दादरटोला, भानपुर, सिंगपुर, तांतर, सिलपिड़ी, तरच, मिठली, मुढियाकला, सरवाही, तेंदूभर्रा, भानपुर, भूरसी, अमाडोंगमी, खेराझर आदि हैं। वन्या केन्द्र की रेंज में आने वाले ग्रामों की जानकारी के संबंध में मेप संलग्न हैं।

डिण्डौरी जिला ऊॅचे–ऊॅचे पहाड़ों व जंगलों से चारों तरफ से घिरा हुआ है। डिण्डौरी जिले में बैगा, गोंड, कोल, धुलिया व धोबा जनजातियॉ निवासरत हैं। यहॉ बैगा एवं गोंड जनजाति बाहुल्य रूप में निवासरत है एवं कोल, धुलिया व धोबा जनजाति अल्प संख्या में निवासरत है। जिनमें से कुछ जनजातीय परिवारों के घर अभी भी मिट्टी के बने हुए हैं। जिन पर देशी खपरैल की छत या घास–फूॅस के छप्पर डले हुए हैं। बैगा जनजातिके लोग पूर्व में बेबर खेती करते थे। वर्तमान में स्थाई खेती करने लगे हैं। इसमें कोदों, कुटकी, मक्का, धान, उड़द, मूंग आदि बोते

हैं। इसके अतिरिक्त जंगली कंदमूल, तेंदूपत्ता, अचार, लाख, गोंद, शहद, आंवला, आदि का संग्रह कर बेचते हैं। महिलायें छींद से बने झाड़ू एवं बांस के सूपा व टोकरी बनाकर भी बेचते हैं। इनके गोत्र गोंड जनजाति के समान धूर्वे, मरकाम, तेकाम, परतेती, मरावी, देवगड़िया, तोतड़िया, सैयाम, उदरिया आदि प्रमुख हैं। इनके प्रमुख लोकगीत ददरिया, सुआगीत, करमा गीत, विवाह गीत, माता सेवा, फाग, आदि हैं। इनके प्रमुख वाद्ययंत्र मादल, ढोल, टिमकी, नगाड़ा, आदि हैं।

यहॉ इनकी प्रमुख समस्या आर्थिक है। जिन जनजातीय लोगों की भूमि पथरीली, असंचित होने के कारण उत्पादन कम हो पाता है। अर्थात जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है, ऐसे जनजातीय परिवार/व्यक्ति कृषि कार्य के उपरांत जंगली उपज संग्रह पर निर्भर रहते हैं।

सामुदायिक रेडियो केन्द्र
वनग्राम- चॉंडा
F.M-90.4.MHZ
जिला-डिण्डौरी
दीक्षा वेलफेयर एण्ड कल्चरल सोसायटी
समनापुर
करजिया
वनग्राम चॉंडा
बजाग

अध्याय–तीन

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र एवं संचालन की स्थिति

म.प्र. के डिण्डौरी जिले के बजाग विकास खण्ड का वनग्राम चॉडा म.प्र. के बैगा चक में स्थित है। ग्राम चॉडा में वन्या रेडियो केन्द्र का शुभारंभ तत्कालीन माननीय मंत्री जी आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा दिनांक 24 जुलाई, 2013 को किया गया था।

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र वनग्राम चॉडा में शासकीय बिल्डिंग में स्थित है। जिसमें एक हॉल, दो कमरे, किचिन, लैट वाथ एवं सामने खुला हुआ ग्रांउण्ड है तथा ग्रांउण्ड की चारों तरफ से बाउण्ड्रीवाल भी बनी हुई है। बिल्डिंग के दो कमरों में स्टूडियो बना हुआ है। दोनों कमरे ए.सी युक्त हैं। जिसमें एक कमरा ओ.बी.रूम जिसमें रिकाडिंग की जाती है एवं दूसरे कमरे में कम्प्यूटर, मॉनीटर, कन्सोल आदि उपकरण स्थापित हैं। जिससे रिकार्डिंग करते समय धुन वगैरह सेट कर कम्प्यूटर में गाने एवं अन्य सामग्री स्टोरेज की जाती है। प्रसारण की प्रमुख बोली बैगानी हैं। इस रेडियो केन्द्र की फ्रिक्वैंसी 90.4 मेगाहर्टज एफएम हैं। वर्तमान में वन्या रेडियो के प्रभारी श्री मुकुन्द शर्मा, अध्यक्ष, दीक्षा वेलफेयर कल्चरल सोंसाइटी, भोपाल म.प्र. हैं, जिनके द्वारा वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी अनुसार वर्ष 2016 में बजट प्राप्त न होने के कारण सामुदायिक रेडियो केन्द्र का संचालन सुचारू रूप से नहीं हुआ था। अर्थात इस वर्ष बजट के अभाव में सामुदायिक रेडियो केन्द्र का संचालन कुछ समय के लिये वाधित रहा था। वर्तमान में वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा में कार्यरत/पदस्थ कर्मचारी/स्टाफ की जानकारी निम्नानुसार है :–

क्0	कर्मचारियों के नाम	जाति	दायित्व	अवधि कब से	ग्राम	मासिक वेतन (रूपये)
1.	श्रीमती गिरिजा आंध्रवान	पनिका	समन्वयक	दिनांक 01 जुलाई, 2013 से निरन्तर	सिंगपुर	9300.00
2.	श्री मनोज कुमार सारथी	सहीस	आपरेटर	दिनांक 20मई, 2017 से निरन्तर	विक्रमपुर	7982.00

3.	श्री अशोक मानिकपुरी	पनिका	आर.जे. (उद्घोषक)	दिनांक20मई, 2017 से निरन्तर	भानपुर	7982.00
4.	श्री अमरसिंह पचगैईयां	बैगा	फील्ड रिकार्डर	दिनांक 01 जुलाई,2018 से निरन्तर	शीतलपानी	7982.00
5.	श्री राजेश कुमार बर्मन	ढीमर	प्रसारण ऑपरेटर	दिनांक 01जुलाई, 2013 से निरन्तर	चॉडा	7982.00
6.	श्री राकेश कुमार कुरचाम	गोंड	चौकीदार	दिनांक 01जुलाई,2013 से निरन्तर	चॉडा	7200.00
7.	श्री दवलू सिंह भुमिडिया	बैगा	चौकीदार	दिनांक 01 अगस्त,2018 से निरन्तर	दादर टोला	7200.00

केन्द्र में उपलब्ध संसाधनों की सूची

SN.	Item Name	Quantity	Particuler
1.	*Computer set with19" LCD,keyboard and mouse*	2pcs.	One pcs.of computer is working but II Set of computer (*LCD)* is not working
2.	8" Speaker	one pair	working
3.	AC LG with remote and out door box	2pcs.	working
4.	Bardi Audio mixer consol 10/2 SF	1 pcs.	working
5.	Head phon	2pcs.	working
6.	Head phon Amplifire	1 pcs.	working
7.	Micro Phon stand big	2pcs.	0k
8.	Micro Phon stand RJ	1 pcs.	ok
9.	Micro Phon stand small	3 pcs.	ok
10.	Micro Phon sm 58	3 pcs.	working

11.	Micro Phon sm 57	3 pcs.	working
12.	TEM 50 w. transmiter	1 pcs.	working
13.	Sony music sistem with remote	1 pcs.	working
14.	Sony pen Recorder with chargeble cell	1 pcs.	working
15.	Philips radio	1 pcs.	working
16.	steplizer	2 pcs.	working
17.	2KV online UPS with 8 bettries	1 pcs.	working
18.	TEMRF Cable with connectr	45 mtr.	working
19.	XLR to XLR Cable	6 pcs.	working
20.	Mono to Stereo Cable	2 pcs.	working
21.	¼ Stereo Cable	2 pcs.	working
22.	Aviation lamp	1 pcs.	working
23.	Head light	1 pcs.	working
24.	Vaccumclinar	1 pcs.	working
25.	External storage device, Hard disk	1 pcs.	working

रेडियो केन्द्र में उपलब्ध सामग्री की उपयोगिता

1 कम्प्यूटर सेट–स्टूडियो में आवाज को रिकार्ड करते समय एडिटिंग एवं मिक्सिंग आदि के लिए कम्प्यूटर का उपयोग किया जाता है।

2 स्टूडियो मॉनीटर स्पीकर सेट– यह रिकाडिंग स्टूडियो में आवाज सुनने एवं तैयार सामग्री को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी होता है।

3 माइक– (एस.एम.58/57) Dynamic cardioids/ condenser microphons –माइक द्वारा बोकल (आवाज) को इलेक्ट्रिक बेव में बदला जाता है। इसका उपयोग बोकल एवं इन्स्टूमेंटल दोनों में किया जाता है।

4 माइक स्टैण्ड– माइक को ठीक प्रकार से स्टेबल करने एवं विषय वस्तु से इनपुट को बैलेंस कर माइक को सही दिशा प्रदान कर रिकार्डिंग बेव को स्थिर करने में उपयोगी होता है।

4 **हेडफोन–** यह रिकार्डिंग के समय अतिरिक्त आवाज/ट्रेक से संबंधित/उपयोगी है। कभी –कभी फील्ड में रिकार्डिंग सुन्दर बनाने में भी यह सहायक होता है।

5 **हेडफोन ऐम्पलीफायर**–कन्सोल या मिक्सर से हेडफोन में आवाज की आउटपुट को प्रसारित करने में सहायक है।

6 **मिक्सर कन्सोल–**इसका उपयोग माइक द्वारा प्राप्त आवाज को इलेक्ट्रिक बेव में बदलने, रिकार्डिंग को सुनने योग्य बनाने एवं व्हॉइस को कन्ट्रोल करने हेतु किया जाता है।

7 **हेडफोन ऐम्पलीफायर**–कन्सोल या मिक्सर से हेडफोन में आवाज की आउटपुट को प्रसारित करने में सहायक है।

8 **TEM 50 Transmiter**–इससे साउण्ड या निर्मित ऑडियो कार्यक्रम को तरंगों में बदलकर निर्धारित फ्रिक्वैंसी पर टावर पर लगे ऐन्टीना के जरिये रेडियो या मोबाइल पर निर्धारित प्रसारण क्षेत्र में प्रसारित कार्यक्रम को सुना जा सकता है।

उपरोक्त सामग्रियों के अलावा वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा में विभिन्न प्रकार के प्रसारण संबंधी जानाकारी एवं रजिस्टरों का संधारण भी पाया गया। जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **स्क्रिप्ट रजिस्टर** :– कार्यक्रम प्रसारण किये जाने के पूर्व स्क्रिप्ट तैयार की जाती है, जिसका उल्लेख इस रजिस्टर में किया जाता है।
2. **दैनिक प्रसारण रजिस्टर :–** इसमें दैनिक प्रसारण की जाने वाली सामग्री/कार्यक्रमों का उल्लेख प्रतिदिन किया जाता है।
3. **दैनिक उद्घोषणा रजिस्टर** :– इस रजिस्टर में प्रतिदिन की जाने वाली उद्घोषणा का उल्लेख किया जाता है।
4. **विजिटर रजिस्टर :–** इस रजिस्टर में वन्या रेडियो केन्द्र में भ्रमण, अवलोकन या निरीक्षण/मूल्यांकन हेतु आने वाले आगुन्तकों से उनके अभिमत प्राप्त किये जाते हैं।

5. **जनरेटर लॉगबुक :—** इस रजिस्टर में जनरेटर के उपयोग का रिकार्ड रखा जाता है। जिसमें प्रत्येक महीने में उपयोग किये गये दिवसों एवं कुल घंटों का लेखा होता है।

इन उपरोक्त सामग्रियों के साथ शासकीय बिल्डिंग में स्थित यह वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र सुव्यवस्थित, सुन्दर व आकर्षक है। यहाॅ रिकार्डिंग कक्ष, कन्सोल/कम्प्यूटर कक्ष के अलावा एक पृथक से हॉल एवं जनरेटर की सुविधा भी है। इसके अलावा चॉडा से 1.5 कि.मी. दूर जहाॅ दादर टोला में टॉवर लगा है, वहाॅ भी प्रसारण करने वाली मशीन रखने हेतु शासकीय बिलिडिंग बनी हुई है। जिसमें प्रसारण करने वाली मशीन रखी हुई पाई गई। जिससे प्रतिदिन शुबह 7.00 बजे से 12.00 बजे तक एवं शाम 2.00 बजे से 7.00 बजे तक रेडियो प्रसारण होता हुआ पाया गया/सुना गया। यहाॅ भी प्रसारण हेतु एक जनरेटर की व्यवस्था वन्या द्वारा की गई है। इस प्रकार रेडियो केन्द्र एवं टॉवर दोनों स्थानों पर अलग—अलग जनरेटरों की व्यवस्था है।

केन्द्र में पदस्थ टीम द्वारा प्रतिदिन प्रसारण संबंधी कार्य किया जाता है। किन्तु निरीक्षण के दौरान यह पाया गया है कि फील्ड से कार्यक्रम रिकार्ड करने कोई नहीं जाता है। रिकार्डिग के लिये लोगों को यहीं बुलाकर रिकार्डिंग की जाती है। जिसमें 8 सदस्यीय दल से 10 गानों की रिकार्डिंग हेतु रूपये 200.00 प्रति गाने की दर से दल को मानदेय राशि रूपये 2000.00 दिये जाते हैं। जिसकी पुष्टि ग्राम शीतलपानी एवं धुरकुटा के कुछ दल प्रमुखों से पूछ कर की गई। वन्या रेडियो केन्द्र सुव्यवस्थित एवं अच्छी स्थिति में हैं। रेडियो के रख—रखाव संबंधी कार्य यहाॅ कार्यरत कर्मचारियों /वन्या द्वारा किया जाता है।

अध्याय–चार

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की जानकारी तथा जनजातीय समुदाय पर उनका प्रभाव

1. वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रम :–

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा द्वारा शुबह–शाम 5–5 घंटे का प्रसारण दो शिफ्ट में प्रातः 7.00 बजे से 12.00 बजे तक एवं दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक किया जाता है। शुबह प्रसारित जानकारी/कार्यक्रम को ही दूसरी शिफ्ट में पुनः रिपीट किया जाता है। सप्ताह के सातों दिन नियमित प्रसारण होना बताया गया। प्रतिदिन केन्द्र परिचय, वन्दे मातरम्, मध्यप्रदेश गान कार्यक्रम के पश्चात चिंतन, जनजातीय संगीत (भजन), बात पते की जिसमें गर्भवती, धात्री महिलाओं एवं बच्चों के रख–रखाब संबंधी जानकारी, क्षेत्रीय लोकगीत (जैसे अगरिया, भीली कथा, गोंडवानी कथा आदि), खेती–किसानी, बढ़ते कदम, वन अधिकार, स्वास्थ्य चर्चा, योजनाऐं, ज्ञान–विज्ञान, भेंट वार्ता, आजाद हिंद (जनजातीय वीर क्रांतिकारियों की शोर्य गाथायें), जड़ी–बूटी रहस्य अर्थात उसकी उपयोगिता संबंधी जानकारी/कार्यक्रम नित्य प्रसारित किये जाते हैं। केन्द्र से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है :–

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉड़ा 90.4 Mhz

साप्ताहिक कार्यक्रम/विवरण

क्र.	समय	*रविवार* *Sunday*	सोमवार *MOnday*	मंगलवार *Tuesday*	बुधवार *Wednesday*	गुरूवार *Thursday*	शुक्रवार *Friday*	शनिवार *Saturday*
1	7.00	संकेत धुन	संकेत धुन	संकेत धुन	संकेत धुन	संकेत धुन	संकेत धुन	संकेत धुन
2	7.05	केन्द्र परिचय, वन्दे मातरम, मप्र.गान कार्यक्रम विवरण	–	–	–	–	–	–
3	7.35	चिंतन	चिंतन	चिंतन	चिंतन	चिंतन	चिंतन	चिंतन
4	8.10	जनजातीय संगीत (भजन)	जनजातीय संगीत (भजन)	जनजातीय संगीत (भजन)	जनजातीय संगीत (भजन)	जनजातीय संगीत (भजन)	जनजातीय संगीत (भजन)	जनजातीय संगीत (भजन)

5	8.40	बात पते की भाषा में	बात पते की भाषा में	बात पते की भाषा में	बात पते की भाषा में	बात पते की भाषा में	बात पते की भाषा में	बात पते की भाषा में
6	9.00	क्षेत्रीय लोकगीत (अगरिया)	भील कथा	क्षेत्रीय लोकगीत (अगरिया)	खेती किसानी	क्षेत्रीय लोकगीत (अगरिया)	खेती किसानी	गोंडवानी कथा
7	9.15	बैगा कथा	कोरकू जनजाति पर आधारित	किस्सा कहानी	मार्गदर्शन युवा वर्ग योजना	देवथानी कथा	गोंड कथा	किस्सा कहानी
8	9.50	बढ़ते कदम	वन अधिकार	स्वास्थ्य चर्चा	बढ़ते कदम	वन अधिकार	हमारे आयुर्वेदाचार्य	कोल कथा
9	10.00	योजनाऐं	ज्ञान विज्ञान	स्थानीय लोगों से भेंट वार्ता	ज्ञान विज्ञान	योजनाऐं	विनोवा भावे	भारतीय महानगर
10	10.30	जनजातीय गीत (बैगानी)	जनजातीय गीत	जनजातीय गीत (बैगानी)	जनजातीय गीत	जनजातीय गीत (बैगानी)	जनजातीय गीत (बैगानी)	जनजातीय गीत
11	11.00	आजाद हिंद	आजाद हिंद	आजाद हिंद	आजाद हिंद	आजाद हिंद	आजाद हिंद	आजाद हिंद
12	11.30	युग प्रवर्तक स्वामी विवेकानंद	जड़ी बूटी रहस्य	वतन का राग	जड़ी बूटी रहस्य	जड़ी बूटी रहस्य	जड़ी बूटी रहस्य	जड़ी बूटी रहस्य

नोट– प्रसारण अवधि 5 घण्टे, विशेष तीज त्यौहार एवं पूण्य तिथि, शहीद दिवस के कार्यक्रम समय–समय पर प्रसारित होंगे।
समय प्रात :–7.00 बजे से 12.00 बजे तक एवं दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण :–

1. **चिंतन–**इस कार्यक्रम अंतर्गत रेडियो केन्द्र द्वारा वर्तमान समय का सद्पयोग, दूसरे की मदद आदि कार्यक्रम तैयार कर उनका प्रसारण किया जाता है।
2. **भजन संगीत–**भजन संगीत में रेडियों केन्द्र द्वारा निर्गुणी, सदगुणी, धार्मिक आदि बुद्विजीवियों से संबंधित भजनों का प्रसारण किया जाता है।
3. **बात पते की–**इस कार्यक्रम अंतर्गत रेडियो केन्द्र द्वारा गर्भवती, धात्री महिलाओं को इस समय में अपने स्वास्थ्य के प्रति किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिये एवं बच्चों का पालन पोषण/देखभाल अच्छी तरह से कैसे की जा सकती है आदि कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।
4. **क्षेत्रीय लोकगीत–**इस कार्यक्रम अंतर्गत कोई भी विषय जैसे खेती किसानी, शिक्षा, शादी विवाह आदि से संबंधित क्षेत्र में प्रचलित लोकगीतों का प्रसाण किया जाता है।
5. **जनजातीय जानकारी–**जनजातीय जानकारी अंतर्गत कोरकू, भीली, बैगा, अगरिया आदि जनजातियों से संबंधित जन्म से लेकर मृत्यु तक की पूरी जानकारी,कथाये, मान्यतायें, इनका इतिहास आदि से संबंधित जानकारी का प्रसारण किया जाता है।
6. **बढ़ते कदम–**इस कार्यक्रम अंतर्गत मालवा क्षेत्र में प्रसिद्व लोकगाथाओं, जागीरदारों से संबंधित कथा, कहानी, किस्से आदि का प्रसारण किया जाता है।
7. **योजनायें–**शासन द्वारा समय–समय पर संचालित भिन्न–भिन्न प्रकार की योजनाओं जैसे–जननी सुरक्षा, वृद्वावस्था पेंशन, निशुल्क गणवेश, साईकिल वितरण, उज्जवला योजना आदि का प्रसारण किया जाता है।
8. **खेती किसानी–**खेती किसानी अंतर्गत फसलों जैसे–गेहूँ, धान, मसूर आदि की एवं सब्जियों जैसे–गोभी, प्याज, टमाटर, बैंगन, आलू आदि की उन्नत एवं जैविक खेती के बारे में जानकारी का प्रसारण किया जाता है।

9. **ज्ञान–विज्ञान**–जैसे–मोटर साइकिल, फोन, कम्प्यूटर आदि के आविस्कार संबंधी जानकारी का प्रसारण ।
10. **जड़ी बूटी रहस्य**–इसमें जड़ी बूटी से संबंधित स्थानीय पेड़ पौधों, तिल्ली, बीही, अकवन अरंडी आदि का आयुर्वेदिक रूप स्वास्थ्य के लिये उपयोग संबंधी जानकारी का प्रसारण करना है।
11. **गोंडवानी कथा**–इस प्रसंग में गोंड समुदाय से संबंधित कथायें जैसे–प्रेमल शाय, हिरदे शाय आदि से संबंधित कथाओं का प्रसारण किया जाता है।
12. **जनजातीय गीत**–इसमें बैगानी, करमा, ददरिया, आदि का प्रसारण किया जाता है।
13. **वन अधिकार**–इस कार्यक्रम अंतर्गत वन्य प्राणियों, पेड़ पौधों, पर्यावरण आदि के संरक्षण/उनको बचाने से संबंधित जानकारी का प्रसारण किया जाता है।
14. **आजाद हिन्द**–इस कार्यक्रम अंतर्गत वीर क्रांतिकारी लाला हृदयदयाल, भगवती वाई, लाहौर की क्रांतिकारी गाथा आदि से संबंधित गाथाओं का प्रसारण किया जाता है।
15. **भेंट वार्ता**–इसमें कुछ स्थानीय/जानकार लोगों से कुछ बिन्दुओं जैसे–सफलता की कहानी, पुरानी संस्कृति, पुरानी धरोहर को बचाने हेतु भेंट वार्ता कर उसका प्रसारण किया जाता है।

इनके अलावा कई अन्य कार्यक्रम जैसे–चुटकलों के माध्यम से हॅसी मजाक में अच्छे संदेश देना, छोटी–छोटी कहानियों के माध्यम से शिक्षाप्रद बातें बताना, मनोरंजन हेतु पहेलियों का प्रसारण, बच्चों के लिये छोटी–छोटी कवितायें, बांस गीत, इसके अलावा कुछ विज्ञापन जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, मताधिकार का प्रयोग आदि का प्रसारण भी किया जाता है।

2. **वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों का जनजातीय जीवन पर प्रभाव**–यह सर्व मान्य हैं कि देश एवं राज्यों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास में रेडियो प्रसारण की प्रारंभ से ही अहम भूमिका रही है। वर्तमान में टी.व्ही. मोबाइल, एवं इंटरनेट के आ जाने के कारण रेडियो की भूमिका में कुछ कमी अवश्य आई है। किन्तु सुदूर वनांचलों में निवासरत कुछ जनजातीय समुदाय जो अभी भी वर्तमान संसाधनों के

अभाव में शहरों के विकास की चकाचौंध से काफी दूर हैं। ऐसे पिछड़े हुऐ क्षेत्रों में निवासरत जनजातीय समुदायों तक शासन की बात, जनजातीय समुदायों के लिये शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं आदि की जानकारी संबंधित समुदाय की बोली भाषा में ही शीघ्र उन तक पहुॅच सके, ताकि यह समुदाय भी विकास की दौड़ में आगे आ सकें एवं अपना तथा अपने समुदाय का विकास कर सकें। इसी उद्देश्य से शासन द्वारा वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा की शुरूआत की गई जो जनजातीय समुदाय विशेष के समग्र विकास हेतु कार्यक्रमों के जरिये अपना दायित्व निभाने का कार्य पूर्ण ईमानदारी से कर रहा है। रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रम संबंधित समुदाय का ज्ञान वर्धन के साथ ही मनोरंजन भी प्रदान करते हैं और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने का प्रयास करते हुए रेडियो के माध्यम से विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी एवं सार्वजनिक हितों से जुड़े तथ्यों, नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी संबंधित समुदाय तक पहुॅचाने का प्रयास किया जाता है।

3. **विकास के प्रति जागरूकता**—वन्या रेडियो केन्द्र चॉडा द्वारा प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से विभिन्न योजनाओं व संदेशों के जरिये कुछ विशिष्ट बदलाव देखे गये हैं। जैसे मतदाता जागरूकता संदेश का प्रसारण होने से स्थानीय जनजातीय लोगों में अपने मत का प्रयोग करने के प्रति जागरूकता आई है। प्रसारित कार्यक्रमों में खेती किसानी से संबंधित कार्यक्रम जैसे—गेहूॅ, धान, मशूर आदि की उन्नत खेती एवं जड़ी बूटियों से संबंधित जानकारी विशेष रूप से लोकप्रिय है।

क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्राम चॉडा में दो व्यक्तियों के पास, ग्राम शीतल पानी में एक व्यक्ति के पास, बैगान टोला में एक व्यक्ति के पास एवं ग्राम धुरकुटा में भी एक ही व्यक्ति के पास रेडियो पाया गया । इससे स्पष्ट है कि रेडियो केन्द्र की रेंज में आने वाले सभी ग्रामों में वमुश्किल एक या दो ही व्यक्तियों के पास रेडियो उपलब्ध पाये गये जो कि उनके द्वारा स्वयं खरीदे गये हैं।

वन्या रेडियो की रेंज में आने वाले ग्रामों में जिन व्यक्तियों के पास रेडियो उपलब्ध हैं वह रोजाना रेडियो केन्द्र चॉडा द्वारा प्रसारित होने वाले सभी प्रकार के

कार्यक्रम शुबह या शाम को अवश्य सुनते हैं। साक्षात्कार लिये गये सभी जनजातीय महिला पुरूषों का कहना हैं कि रेडियो प्रसारण का लाभ अधिक से अधिक व्यक्ति तभी प्राप्त कर पाएयें जब क्षेत्र के सभी जनजातीय लोगों को शासन की ओर से पुनः रेडियो का वितरण हो एवं रेडियो फ्रिक्वैंसी (रेंज) बढ़ाने की मांग भी स्थानीय लोगों द्वारा की गई है।

वन्या रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित होने वाले कार्यक्रम मोबाइल पर एफ एम के माध्यम से सुनने के संबंध में बुजुर्ग महिला, पुरूषों का कहना है कि मोबाइल हमेशा बच्चे अपने पास रखते हैं, हमारे पास न तो रेडियो है और न ही मोबाइल।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित होने वाले कार्यक्रम सभी सुनना चाहते हैं किन्तु कुछ ही लोगों को छोड़कर संसाधनों के अभाव में वन्या रेडियो का कोई अस्तित्व परिलक्षित नहीं होता है।

4. **जनजातीय समुदाय के उत्साह का आंकलन**—वर्तमान में भ्रमण किये गये ग्रामों में वन्या सामुदायिक केन्द्र चॉडा द्वारा प्रारंभ में बांटे गये रेडियो ग्राम चॉडा के दो व्यक्तियों को छोड़कर अन्य किसी के पास भी रेडियो उपलब्ध होना नहीं पाये गये। रेडियो केन्द्र द्वारा प्रारंभ में बांटे गये रेडियो की सूची मांगे जाने पर केन्द्र में कार्यरत श्रीमती गिरिजा आंध्रवान, समन्वयक एवं अन्य कर्मचारियों से रेडियो बांटे जाने संबंधी जानकारी मांगे जाने पर उनके द्वारा अवगत कराया गया कि वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा में यू. एन.एफ. पी.ए. के सहयोग से लिसनर क्लव बनाये गये थे, जिनके द्वारा फिलिप्स के रेडियो प्रति ग्राम में 1–1 दिये गये थे। वन्या द्वारा एफ एम सेट बनवाये गये थे, जो ग्रामवासियों को उदघाट्न के समय माननीय मंत्री जी द्वारा प्रदाय किये गये थे। जिनकी कोई सूची/जानकारी वन्या रेडियो केन्द्र में उपलब्ध होना नहीं पायी गई।

वन्या सामुदायिक रेडियो प्रसारण सुनने के संबंध में भ्रमण के दौरान जब बालक छात्रावास चॉडा में उपस्थित जनजातीय छात्र 1.श्री अद्दूसिंह परस्ते पिता श्री जमुना सिंह, कक्षा–12 वीं बायोसांइस, निवासी ग्राम–हथकटर 2.श्री पुरूषोत्तम सिंह पिता श्री ज्ञानसिंह, कक्षा–11वीं आर्ट, निवासी मुगदरा 3. श्री अजीत कुमार महोबिया पिता श्री सुरेश,कक्षा – 11वीं बायोसांइस, 4. श्री राज

कुमार पंद्राम पिता श्री महेश सिंह, कक्षा–11वीं सांइस, 5. श्री रामकुमार पिता श्री मनीराम कक्षा–12 वीं आर्ट इनके यहॉ घर पर इनके पिताजी द्वारा स्वयं खरीदा हुआ रेडियो है। 6. श्री कुलदीप तेकाम पिता श्री रमेश सिंह तेकाम कक्षा–12 वीं बायोसांइस यह मोबाइल एफ.एम. पर वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रम सुनते हैं। किन्तु इन सभी छात्रों का कहना यह है कि मोबाइल एफ.एम. पर रेडियो वन्या की आवाज साफ (क्लीयर) सुनाई नहीं देती है। छात्रों द्वारा बताया गया कि इन्हें भी वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित स्वास्थ्य, खान–पान, जड़बूटी रहस्य एवं योजनाओं संबंधी जानकारी अच्छी लगती है। अतः वन्या रेडियो केन्द्र द्वारा ऐसी तकनीक अपनाई जाए जिससे कि मोबाइल एफ.एम. पर रेडियो की आवाज साफ सुनी जा सके या शासन द्वारा पुनः रेडियो वितरित किये जांए।

5. **जनजातीय जीवन में अर्थ का महत्वः**–जनजातीय समुदाय का प्रमुख कार्य कृषि व वनोपज संग्रह कर अपना जीवन यापन करना है। वर्तमान में जनजातीय समुदाय का युवा वर्ग शिक्षा प्राप्त कर शासकीय, अशासकीय नौकरी करने हेतुं प्रयासरत है। वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉडा में फील्ड रिकार्डर के पद पर कार्यरत श्री अमरसिंह पचगैंया, स्नातक (बी.ए.) प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हैं। किन्तु शासकीय सेवा के अभाव में वह एन.जी.ओ. के अधीन वन्या केन्द्र में कार्य कर रहे हैं। अर्थ (धन) के बिना किसी भी समाज के व्यक्तियों के भौतिक स्तर में सुधार संभव नहीं हैं। जिन लोगों के पास रेडियो उपलब्ध है या जो लोग मोबाइल एफ. एम. पर वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉड़ा द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों को सुनते हैं, ऐसे परिवारों में जाग्रति उत्पन्न हुई है। जिसके कारण गांव के कई परिवार बच्चों को पढ़ने हेतु गांव से दूर छात्रावासों में प्रवेश दिलाकर उन्हें शिक्षा हासिल करवा रहे हैं। ग्राम शीतलपानी निवासी श्री तिहारी सिंह पिता श्री दागुर सिंह, बैगा जिनके पास स्वयं का खरीदा हुआ रेडियो है, उनके द्वारा बताया गया कि इनके पास ढ़ाई ऐकड़ जमीन हैं यह बुजुर्ग हैं, इनकी उम्र 75 वर्ष है। इनके दो बेटे एवं दो बेटियां हैं। यह रेडियो के नियमित श्रोता हैं। इनके द्वारा बताया गया कि रेडियो के माध्यम से कृषि से संबंधित उन्नत फसलों के बारे में प्राप्त जानकारी के आधार पर गेंहूँ, धान, मसूर, एवं चना आदि की उन्नत

फसल उगाने लगे हैं। वह गायक कलाकार भी हैं। वह वन्या रेडियो केन्द्र में गायक के रूप में अपनी प्रस्तुतियां भी देते आ रहे हैं। इसके बदले उन्हें प्रति 10 गीतों का पूरे दल को 200 रूपये प्रति गीत के मान से 2000 रूपये वन्या केन्द्र से प्राप्त होने की जानकारी दी गई। इससे इनके दल के सदस्य एवं ऐसे अन्य दल जो कार्यक्रम की प्रस्तुतियां देने हेतु केन्द्र में आते हैं, ऐसे व्यक्तियों की आर्थिक स्थति में आशिंक रूप से आर्थिक सुधार हो रहा है।

इसी गांव की निवासी श्रीमती कलीबाई पति श्री संतू बैगा, उम्र 33 वर्ष, द्वारा बताया गया कि में स्वयं दल के रूप में गाना एवं भजन गाती हूॅ एवं मेंने वन्या रेडियो से योजनाओं संबंधी प्राप्त जानकारी के आधार पर शासन/जनजातीय कार्य विभाग से ट्रेक्टर प्राप्त किया है। ट्रेक्टर को वह स्वयं चलाती हैं। रेडियो द्वारा प्रसारित खेती किसानी कार्यक्रमों से उन्नत खेती, कृषि की नई और वैज्ञानिक तकनीकों, फसलों का कीट पतंगों से बचाव आदि से संबंधित प्राप्त जानकारी के आधार पर उनके द्वारा उन्नत फसलें उगाई जाकर वह अनाज की पैदावार में बढ़ोत्तरी का लाभ प्राप्त कर रहीं हैं।

इससे स्पष्ट है कि इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। अर्थात जनजातीय समुदाय भी अपने जीवन में अर्थ का महत्व समझने लगे हैं।

भ्रमण किये गये सभी ग्रामवासी जनजातीय व्यक्तियों द्वारा सुझाव दिया गया कि जिस प्रकार विविध भारती, आकाशवाणी रेडियो पर त्वरित समय के समाचार प्रसारित किये जाते हैं ठीक उसी प्रकार वन्या केन्द्र द्वारा भी प्रतिदिन समाचारों का प्रसारण किया जाना चाहिए।

जनजातीय युवा छात्रों द्वारा सुझाव दिया गया कि वन्या रेडियो केन्द्र द्वारा रोजगार संबंधी विज्ञापनों का प्रसारण भी करना चाहिए ताकि संबंधित जनजातीय समुदाय के युवा वर्ग अधिक से अधिक रोजगार प्राप्त कर अपने जीवन को आर्थिक रूप से और अधिक सुद्रढ़ कर सकें।

6. **शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव**—जहॉ कुछ समय पूर्व तक सुदूर वनांचलों/ग्रामों में निवासरत जनजातीय समुदाय संसाधन विहीन एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने के कारण शिक्षा के प्रति जागरूक नहीं थे।

अर्थात शिक्षा के महत्व से अनभिज्ञ होने के कारण काफी पिछड़े हुए थे। वर्तमान में शासन के सतत प्रयासों द्वारा इन समुदायों के विकास हेतु संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं संबंधित जनजातीय समुदायों से जुड़ी हुई अन्य जानकारियां भी संबंधित समुदाय की बोली में ही उन तक शीघ्र पहुँच सकें, ताकि ऐसे जनजातीय समुदायों की सोच/दृष्टिकोण में बदलाव से इनके बच्चों के शैक्षणिक स्तर में भी वृद्धि हो सके। इसी मंशा को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र संचालित किये गये हैं।

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉड़ा द्वारा प्रसारित कार्यक्रम यथा–ज्ञान–विज्ञान, बात पते की, बढ़ते कदम, स्थानीय प्रतिभाओं, एवं अधिकारियों/डॉक्टर आदि से भेंटवार्ता, आजाद हिन्द, वन अधिकार, जड़ी–बूटी रहस्य, चिंतन, खेती–किसानी आदि कार्यक्रमों से चॉड़ा में निवासरत जनजातीय व्यक्तियों के सोचने के ढ़ंग में काफी परिवर्तन हुआ है। यही कारण हैं कि वर्तमान में जनजातीय लोग भी बालकों की शिक्षा के साथ–साथ बालिकाओं की शिक्षा पर भी ध्यान दे रहे हैं।

श्री ज्ञानसिंह सैयाम गोंड, निवासी ग्राम ठाढ़पथरा द्वारा साक्षात्कार के दौरान बताया गया कि उनके परिवार में वह स्वयं, उनकी पत्नी,दो बेटे व दो बेटियां हैं। वह स्वयं भी 12वीं तक पढ़े हुए हैं। उनका एक बेटा कम्प्यूटर पर आधारित डिप्लोमा डी.सी.ए. कर रहा है। वह वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों के नियमित स्रोता हैं। रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रम बेटी बचाओं, निःशुल्क साईकिल वितरण, स्वच्छता, स्वास्थ्य आदि से संबंधित जानकारी सुनकर पूरे गांव में प्रचार–प्रसार करने संबंधी जानकारी दी गई।

श्री गंगाराम बैगा उम्र 60 वर्ष, द्वारा अवगत कराया गया कि वह स्वयं पांचवी पास हैं। इनके भी दो बेटे व दो बेटियां हैं। एक बेटा श्री चरणसिंह पुत्र श्री गंगाराम उम्र 26 वर्ष द्वारा एम.ए. किया हुआ है एवं दूसरा बेटा श्री अमरसिंह जो कि 22 वर्ष का है, उसने बी.ए. किया हुआ है। वह पी.एस.सी. की तैयारी कर रहा है।

उपर्युक्त उदाहरणों से स्पष्ट है कि वन्या सामुदायिक रेडियो के द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों से शिक्षा संबंधी चेतना जाग्रत हुई है। वर्तमान में सुदूर वनांचलों/ग्रामों में निवासरत जनजातीय समुदाय के सदस्य भी शिक्षा का महत्व समझने लगे हैं। जिससे वह विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

7. रेडियो से सामाजिक चेतना पर प्रभाव– रेडियो से सामाजिक चेतना पर प्रभाव को जानने/समझने के लिये सर्व प्रथम हमें समाज एवं सामाजिक चेतना को समझना आवश्यक होगा। एक से अधिक लोगों के समूह/समुदाय को समाज कहते हैं। जिसमें सभी व्यक्तियों के मानवीय क्रिया–कलाप, आचरण, सामाजिक सुरक्षा, एवं जीवन निर्वाह आदि की क्रियायें सम्मिलित होती हैं। अर्थात समाज लोगों का ऐसा समूह होता है, जो अपने अन्दर (वर्ग) के लोगों के मुकाबले अन्य समूहों (वर्गों) से काफी कम मेल–जोल रखता है।

सामाजिक चेतना मानवीय क्रियाकलापों का सम्मिलित परिणाम होती है। समाज से जुड़े विभिन्न घटक/क्रियायें सामाजिक चेतना को प्रभावित करती हैं। अर्थात मनुष्य की दैनिक आवश्यकताएँ, जीवन संस्कृति, परम्परायें शिक्षा, चिंतन, नवीन आविष्कार एवं सामाजिक जीवन को प्रभावित करने वाली घटनायें आदि घटक सामाजिक चेतना का निर्माण करते हैं। वर्तमान में जनसंचार के साधनों के माध्यम से इसी प्रकार की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती है, जो सामाजिक चेतना के उन्नयन/विकास हेतु महत्वपूर्ण है। वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रम भी सामाजिक चेतना के उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री धनीराम बगदरिया (बैगा) उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम चॉड़ा, शैक्षणिक योग्यता 12 वीं पास द्वारा साक्षात्कार में अवगत कराया गया कि उनके पास रेडियो नहीं हैं। वह वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉड़ा द्वारा प्रसारित कार्यक्रम मोबाइल एफ.एम. पर सुनते हैं। इनके द्वारा यह भी बताया गया कि इन्हें अपनी बोली–भाषा में रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रम "अपने मन के गीत" सुनना बहुत पसंद है। इसके अलावा इन्हें उन्नत कृषि से संबंधित जानकारी एवं स्वास्थ्य विषयक कार्यक्रम भी अच्छे लगते हैं।

श्री थूांदूलाल पिता श्री अगरिया बैगा उम्र 80 वर्ष, निवासी धुरकुटा द्वारा साक्षात्कार में बताया गया कि वह कक्षा तीसरी पास हैं। यह गाना गाते हैं, इन्हें

रेडियो मिला है। भ्रमण के समय यह रेडियो चालू स्थिति में पाया गया। इनके यहॉ परिवार में इनकी पत्नी एवं तीन बेटे एवं तीन बेटियां हैं। इनके तीनों बेटे शिक्षक हैं। इनकी बड़ी बेटी कृषि करती है। दूसरी बेटी बजाग विकास खण्ड में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है एवं छोटी बेटी डिण्डौरी में शिक्षक है। यह वन्या रेडियो केन्द्र चॉड़ा में गाना गाने के लिये तीन बार जा चुके हैं। यह दल प्रमुख भी हैं। यह रेडियो के नियमित स्रोता हैं। यह रेडियो पर प्रसारित भजन, बात पते की, बेटी बचाओ, नाटक आदि सभी कार्यक्रम इन्हें पसंद हैं। साथ ही इनके द्वारा यह भी बताया गया कि रेडियो पर प्रसारित कार्यक्रम सुनने से बच्चों के लिये सामान्य ज्ञान, खेलकूद, शासन की विभिन्न योजनाओं आदि की जानकारी प्राप्त होती है।

अध्याय–पॉच

निष्कर्ष एवं सुझाव

1. निष्कर्ष :

मध्यप्रदेश राज्य के जनजातीय बाहुल्य जिला डिण्डौरी से 72 कि.मी.दूर बजाग विकास खण्ड के ग्राम चॉड़ा में स्थापित वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉड़ा जिला डिण्डौरी का अवलोकन किया गया । इस वन्या केन्द्र का संचालन श्री मुकुन्द शर्मा, अध्यक्ष, दीक्षा वेलफेयर एवं कल्चरल सोसायटी भोपाल द्वारा किया जा रहा है। भ्रमण के दौरान रेडियो केन्द्र में रिकार्डिंग स्टूडियो, तकनीकी कक्ष आदि व्यवस्थित एवं संचालित अवस्था में पाये गये। वन्या रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की भाषा बोली बैगानी है, जिसकी फ्रिक्वेंसी 90.4 मेगाहर्टज एफ.एम. हैं। केन्द्र द्वारा कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित होते हुए पाये गये एवं वन्या केन्द्र द्वारा रोजाना प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रमों से संबंधित एकत्रित/तैयार की गई जानकारी/फाइल फोल्डर का भी अवलोकन किया गया। जिसमें प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रमों से संबंधित हस्तलिखित सभी प्रकार की जानकारियां रखी हुई पाई गई।

वन्या रेडियो केन्द्र द्वारा जनजातीय समुदाय की उनकी अपनी बोली भाषा में प्रसारित कार्यक्रमों का जनजातीय जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रम ज्ञानवर्धन करने के साथ–साथ मनोरंजन भी करते हैं। रेडियो से प्राप्त जानकारी के आधार पर कुछ लोगों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर में सुधार हो रहा है। जैसे–बाल विवाह, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधान मंत्री आवास योजना, साईकिल वितरण, स्वास्थ, जड़ी–बूटी, उन्नत कृषि आदि जनजातीय जीवन में इन कार्यक्रमों की अमिट छाप है। रेडियो से प्रसारित कार्यक्रमों से रेडियो केन्द्र की रेंज 12–15 कि.मी. में आने वाले गांवो में निवासरत यहॉ के लोगों को घर बैठे ही समय–समय पर शासन की योजनओं जैसे–वृद्धावस्था पेंशन योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, एवं अन्य जानकारी जैसे जैविक कृषि, ज्ञान–विज्ञान, वन अधिकार इत्यादि जानकारी आसानी से प्राप्त हो रही है। ज्ञान–विज्ञान अंतर्गत युवा वर्ग का कार्यक्रम हुनर है तो कदर है, महिलाओं के लिये प्रसारित होने वाले कार्यक्रम “बात पते की” के अंतर्गत गर्भवती, धात्री महिलाओं से संबंधित जानकारी

का प्रसारण, बच्चों के रखरखाव से संबंधित कार्यक्रम एवं भेंटवार्ता, जड़ी–बूटी रहस्य एवं उन्नत खेती आदि विशेष रूप से सुने जाने वाले कार्यक्रम हैं। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान युवा वर्ग, महिलाओं एवं बुजुर्ग/सियाने लोंगों से वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित कायक्रमों के संबंध में चर्चा की गई। अधिकांश लोगों ने प्रसारित कार्यक्रमों के अतिरिक्त क्षेत्रीय एवं प्रादेशिक समाचार, स्वरोजगार एवं शासकीय रोजगार से संबंधित विज्ञापनों का प्रसारण कराने का सुझाव दिया गया।

वर्तमान में जनजातीयों में शासन की जनकल्याणकारी विभिन्न योजनाओं के प्रभाव से जनजाग्रति उत्पन्न हो रही है एवं विकास की ओर अग्रसर हो रहे हैं। रेडियो के माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देना रेडियो की सार्थक पहल है।

उपर्युक्त तथ्यों व प्राप्त जानकारी के आधार पर यह कहा जा सकता है कि वन्या रेडियो जनजाति वर्ग के लगभग हर वर्ग को प्रभावित कर रहा है। प्रसारित कार्यक्रमों के माध्यम से उनका सामाजिक स्तर पर भी प्रभाव हो रहा है। अर्थात इनके सामाजिक स्तर धीरे–धीरे सुधर रहा है, व उनकी सोच व दृष्टिकोण में बदलाव भी दृष्टिगोचर हो रहा है।

2. सुझाव :

1. शासन द्वारा जनजातियों को विकास की मुख्य धारा में लाने हेतु समय–समय पर विभिन्न प्रकार की योजनायें/कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में शासन द्वारा कम्यूनिटी/जनजाति विशेष पर आधारित कार्यक्रम उन्ही की बोली भाषा में प्रसारित किये जाने हेतु वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्रों का संचालन वर्ष 2012 से किया जा रहा है। वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र चॉड़ा जिला डिण्डौरी के आसपास का भौगोलिक क्षेत्र पहाड़ियों से आच्छादित है। ऐसे में रेडियो प्रसारण होने पर कार्यक्रम को सुनने में कठिनाई होती है एवं कई वार टावर ठीक प्रकार से काम नहीं कर पाता। इस समस्या के निदान हेतु भ्रमण किये गये क्षेत्र के लगभग 80 प्रतिशत लोगों द्वारा रेडियो की फ्रिक्वेंसी बढ़ाये जाने की मांग की गई। अतः रेडियो की फ्रिक्वेंसी बढ़ायी जाने हेतु विभाग/शासन स्तर से विचार किया जाना उचित होगा।

2. क्षेत्र में पुनः रेडियो बॉटे जाने की मांग लोगों द्वारा की गई। क्योंकि अच्छा महंगा मोबाइल न होने पर मोबाइल एफ.एम. पर वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रम सुनने में कठिनाई होती है । अतः यह सुझाव है कि या तो क्षेत्र में पुनः रेडियो वितरित किये जाने हेतु विभाग/शासन स्तर से विचार किया जाए या फिर ऐसी तकनीक अपनाई जाय कि प्रत्येक मोबाइल एफ.एम. पर वन्या रेडियो की आवाज साफ सुनी जा सके। तभी वन्या रेडियो द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की सार्थकता पूर्ण होगी।

3. वन्या रेडियो में भी विविध भारती एवं आकाशवाणी रेडियो जैसी तकनीक अपनाई जाना चाहिए। जिससे कि वन्या रेडियो को भी कभी भी कहीं भी सुना जा सके।

4. वन्या रेडियो को भी अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त होना आवश्यक है। अतः वन्या रेडियो केन्द्र को इंटरनेट से जोड़कर इसकी भौगोलिक सीमा बढ़ाई जाना उपयुक्त होगा/

5. वन्या रेडियो के संचालन एवं उसकी देखरेख मॉनिटरिंग हेतु विभाग के स्थानीय शासकीय सेवक को दायित्व सौंपा जाना उचित होगा। ताकि उनके द्वारा समय–समय पर मॉनिटरिंग होती रहे एवं इसकी सूचना विभाग/शासन को प्राप्त होती रहे।

6. वन्या रेडियो केन्द्र जिस कम्यूनिटी की बोली भाषा में खोला गया है उस रेडियो केन्द्र में उसी कम्यूनिटी के योग्य व्यक्तियों को वन्या के माध्यम से ट्रेंनिग दिलाई जाकर रेडियो केन्द्रों के संचालन हेतु रखा जाना उपयुक्त होगा।

7. वन्या रेडियो केन्द्र में पदस्थ अमले को नियमित रूप से सम्मानजनक वेतनमान दिये जाने का भी सुझाव है। वेतन/बजट के अभाव में भी वन्या रेडियो का संचालन सुचारू रूप से नहीं हो पाता है। वेतन/बजट के अभाव में कभी–कभी रेडियो केन्द्र का संचालन बंद भी हो जाता है। रेडियो केन्द्र से प्राप्त जानकारी अनुसार ऐसी ही स्थिति के कारण वर्ष 2016 में उक्त रेडियो केन्द्र का संचालन एक से डेड़ वर्ष के लिये बंद भी रहा है।

8. वन्या रेडियो में भी नवीन तकनीक जैसे "वन्या रेडियो एप" बनाकर या बेव प्लेयर के माध्यम से भी वन्या रेडियो की जानकारी उन लोगों तक पहुॅचाई जा सकती है, जहॉ वन्या रेडियो/ट्रांसमीटर की रेंज फ्रिक्वेंसी नहीं जाती है।

9. वन्या रेडियो केन्द्र में पदस्थ अमले को वन्या अथवा दीक्षा कल्चरल वेलफेयर सोसायटी की तरफ से नियुक्ति पत्र/वेतन प्रमाण पत्र एवं पहचान पत्र जारी किया जाना उचित होगा। ताकि वह फील्ड अथवा किसी भी शासकीय/अर्द्ध शासकीय विभाग से संबंधित जानकारी का संकलन आसानी से कर सकें।

10. श्री फूलसिंह देवगड़िया बैगा, उम्र 38 वर्ष, शिक्षा कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण निवासी ग्राम कांदावानी, श्री गोरेलाल मरावी गोंड, उम्र 20 वर्ष, शिक्षा 8 वीं उत्तीर्ण निवासी ग्राम कांदावानी एवं श्री राधेलाल धुर्वे गोंड, उम्र 45 वर्ष, शिक्षा बी.ए.उत्तीर्ण निवासी ग्राम चॉड़ा एवं अन्य लोगों द्वारा सुझाव दिया गया है कि स्थानीय प्रादेशिक समाचारों का वाचन संबंधी प्रसारण भी

प्रतिदिन होना आवश्यक है। ताकि रेडियो के माध्यम से हम भी समाचार सुन सकें।

11. कुछ नवयुवकों द्वारा क्रिकेट के लाइव स्कोर का प्रसारण भी वन्या रेडियो के माध्यम से बैगानी भाषा में सुनाये जाने का सुझाव दिया गया है।

12. श्री झिंगरू सिंह मरावी बैगा उम्र 30 वर्ष शिक्षा 8 वीं उत्तीर्ण निवासी ग्राम ठाढ़पथरा एवं अन्य लोगों द्वारा रोजगार संबंधी जानकारी यथा–रोजगार निर्माण एवं रोजगार समाचार के प्रसारण की भी मांग की गई है। अतः स्थानीय लोगों की मांग अनुरूप रोजगार संबंधी जानकारी का प्रसारण किया जाना अति आवश्यक है। ताकि शिक्षित एवं योग्य जनजातीय युवा वर्ग को शासकीय सेवा में आने का अवसर प्राप्त हो सके।

13. कुछ लोगों द्वारा सुझाव दिया गया है कि स्थानीय क्षेत्र विशेष की जानकारी, किशोरी बालिकाओं को अपनी सुरक्षा से संबंधित एवं किशोरों में बढ़ती हुई गलत आदतों/दुव्यर्सनों को छोड़ने संबंधी कार्यक्रम भी प्रसारित किये जाना उचित होगा।

14. श्री कुंदन सिंह गोंड उम्र 28 वर्ष शिक्षा 10 वीं उत्तीर्ण निवासी ग्राम मिढ़की द्वारा स्वरोजगार से संबंधित जानकारी के प्रसारण हेतु सुझाव दिया गया।

15. डिण्डौरी जिले में बजाग विकास खण्ड अंतर्गत स्थित ग्राम चॉड़ा एक विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा बाहुल्य क्षेत्र है। जहॉ से वन्या रेडियो केन्द्र का प्रसारण जनजातीय बोली बैगानी में किया जा रहा है। विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास/कल्याण हेतु राज्य शासन एवं भारत शासन दोनों ही हमेशा से ही प्रयत्नशील हैं। अतः यह सुझाव है कि वन्या रेडियो केन्द्र चॉड़ा द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों के कल्यार्ण राज्य शासन एवं भारत शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं का प्रसारण किया जाना भी अति आवश्यक है। ताकि इस क्षेत्र में निवासरत लोग भी उनके लिये संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ प्राप्त कर सकें। वन्या रेडियो पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण सुचारू रूप से नियमित होता

रहे इस हेतु विभाग स्तर से इसकी मॉनीटरिंग की जाना भी अति आवश्यक है।

उपर्युक्त सुझावों को सम्मिलित कर कार्यक्रम की गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है एवं पूर्व संचालित/प्रसारित कार्यक्रमों के साथ–2 उल्लेखित कार्यक्रमों के प्रसारण से वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र और अधिक प्रभावी बन सकेगा।

श्री तिहार सिंह बैगा एवं अन्य (ग्राम–शीतलपानी) से वन्या रेडियो प्रसारण के संबंध में साक्षात्कार करते हुए

ग्रुप फोटो ग्राम–शीतलपानी, बैगा समुदाय

वन्या रेडियो सुनते हुए श्री गंगाराम बैगा,
ग्राम–ठाड़पथरा

वन्या रेडियो केन्द्र चांडा में लोकगीतों की प्रस्तुति देते हुए जनजातीय दल

वन्या रेडियो समन्वयक निर्माण

बालक छात्रावास चॉड़ा में छात्रों से साक्षात्कार करते हुए

डिण्डौरी जिले के वि.ख. बजाग के भ्रमण किये गये ग्राम व साक्षात्कार लिये गये व्यक्तियों की सूची–

ग्राम–शीतलपानी

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री गंगाराम पुत्र श्री दरोगा	पुरूष	60	बैगा	5 वीं
2	श्री चरणसिंह पुत्र श्री गंगाराम	पुरूष	26	बैगा	एम.ए.
3	श्री अमरसिंह पुत्र श्री गंगाराम	पुरूष	22	बैगा	बी.ए.
4	श्री तिहारीसिंह पुत्र श्री दागुर सिंह	पुरूष	75	बैगा	निरक्षर
5	श्री उमेश कुमार पुत्र श्री बुधसिंह	पुरूष	25	बैगा	8 वीं
6	श्री बुधसिंह पुत्र श्री तिहारी	पुरूष	45	बैगा	8 वीं
7	श्रीमती इमलीबाई पत्नी श्री दपुलू पट्टा	महिला	40	बैगा	निरक्षर
8	श्रीमती तीजोबाई पत्नी श्री झूनाराम	महिला	35	बैगा	निरक्षर
9	श्री माखनसिंह पुत्र श्री बोधसिंह	पुरूष	38	बैगा	निरक्षर
10	श्री सुभाष कुमार पुत्र श्री चेतूसिंह	पुरूष	29	बैगा	5 वीं
11	श्री अनूपसिंह पुत्र श्री माखन	पुरूष	20	बैगा	8 वीं
12	श्रीमती अधन्नीबाई	महिला	32	बैगा	निरक्षर
13	श्री मुकेश कुमार पुत्र श्री शिवलाल	पुरूष	24	गोंड	10 वीं

ग्राम–खम्हेरा

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री रतनसिंह धुर्वे पुत्र श्री भैना	पुरूष	35	बैगा	8 वीं
2	श्री धरमसिंह पुत्र	पुरूष	27	बैगा	5 वीं

	श्री केवलसिंह				
3	श्री केवलसिंह पुत्र श्री पीरमा	पुरूष	25	बैगा	7 वीं
4	श्रीमती जगोतिन पत्नीश्री जेठूसिंह	महिला	40	बैगा	निरक्षर
5	श्री जेठूसिंह पुत्र श्री बाबूसिंह	पुरूष	45	बैगा	निरक्षर
6	श्री लमिया पुत्र श्री राजूसिंह	पुरूष	35	बैगा	5 वीं उत्तीर्ण
7	श्रीमती मंगली बाई पत्नी श्री चैनसिंह	महिला	29	बैगा	निरक्षर
8	श्रीमती सुकरती बाई पत्नी श्री धर्मसिंह	महिला	25	बैगा	निरक्षर
9	श्री बुधराम पुत्र री दसरू सिंह	पुरूष	35	बैगा	छटवीं
10	श्री मंगलूसिंह पुत्र श्री रावन सिंह पुत्र श्री चेतूसिंह	पुरूष	50	बैगा	निरक्षर
11	श्री महकू पुत्र श्री लिचरू	पुरूष	60	बैगा	निरक्षर

ग्राम–चॉड़ा

क0	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री राधेलाल धुर्वे	पुरूष	45	गोंड	बी.ए.
2	श्री धनीराम बगदरिया	पुरूष	26	बैगा	12 वीं
3	श्री बिल्लूसिंह वाटिया पुत्र श्री नन्हेसिंह वाटिया	पुरूष	53	गोंड	बी.एस.सी.
4	श्री दलपति सिंह कुरचाम	पुरूष	34	गोंड	8 वीं
5	श्री राजेन्द्र कुमार मरावी	पुरूष	36	गोंड	12 वीं
6	श्री उत्तमसिंह धुर्वे	पुरूष	33	गोंड	5 वीं
7	श्री सेवाराम पट्टा	पुरूष	47	गोंड	12 वीं

बालक छात्रावास ग्राम–चॉड़ा

क0	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	कक्षा
1	श्री अद्दूसिंह परस्ते पुत्र श्री जमुनासिंह,ग्राम हतकटर	पुरूष	45	गोंड	12वीं बायो. साइंस
2	श्री पुरूषोत्तमसिंह पुत्र श्री ज्ञानसिंह, ग्राम मुगदरा	पुरूष	19	गोंड	11वीं आर्ट
3	श्री श्री अजीत कुमार महोबिया पुत्र श्री सुरेश महोबिया	पुरूष	18		11वीं बायो. साइंस
4	श्री श्री राजकुमार पेन्द्राम पुत्र श्री महेश सिंह	पुरूष	17	गोंड	11वीं मैथ. साइंस
5	श्री रामकुमार पुत्र श्री मनीराम	पुरूष	19	गोंड	12वीं आर्ट
6	श्री कुलदीप तेकाम पुत्र श्री रमेश सिंह	पुरूष	18	गोंड	12वीं बायो. साइंस

ग्राम–बैगान टोला

क0	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री नर्मदासिंह पुत्र श्री भंवरसिंह	पुरूष	24	बैगा	10 वीं
2	श्री रतनसिंह पुत्र श्री कदाली	पुरूष	51	बैगा	निरक्षर
3	श्रीमती बिलरगे बाई पत्नी श्री रतनसिंह	महिला	44	बैगा	5 वीं
4	श्री लालसाय पुत्र श्री तिहरू	पुरूष	35	बैगा	निरक्षर
5	श्रीमती कलीबाई पत्नी श्री संतू	महिला	33	बैगा	निरक्षर
6	श्री तिहरसिंह पुत्र श्री दबला	पुरूष	65	बैगा	निरक्षर
7	श्रीमती झमकोबाई	महिला	60	बैगा	निरक्षर

ग्राम–धुरकुटा

क्र0	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्रीमती धवनिन बाई पत्नी श्री इतवारी	महिला	45	बैगा	अशिक्षित
2	श्री अर्जुनसिंह धुर्वे पुत्र श्री परसा	पुरूष	65	बैगा	बी.ए. सेवानि. प्राचार्य
3	श्री थानूलाल ओदरिया पुत्र श्री अगरिया	पुरूष	80	बैगा	तीसरी पास
4	श्री लखनलात पुत्र श्री लालसिंह	पुरूष	32	बैगा	बी.ए.
5	श्री शिव कुमार पुत्रश्री अर्जुनसिंह	पुरूष	34	बैगा	10 वीं
6	श्री गजरूसिंह पुत्र श्री गितकार	पुरूष	30	बैगा	अशिक्षित
7	श्रीमती मुन्नीबाई पत्नीश्री जयसिंह	महिला	60	बैगा	अशिक्षित
8	श्रीमती समरोबाई पत्नी स्व. श्री वरखूलाल	महिला	58	बैगा	अशिक्षित
9	श्री श्यामलाल उदरिया पुत्र स्व. श्री वरखूलाल उदरिया	पुरूष	30	बैगा	एम.ए.
10	श्री राजेश कुमार तोतड़िया	पुरूष	27	बैगा	8 वीं
11	श्री शरद कुमार उदरिया	पुरूष	22	बैगा	12 वीं
12	श्री कृपाराम धुर्वे	पुरूष	38	बैगा	10 वीं
13	श्री चन्द्रबिजय मरावी	पुरूष	27	बैगा	12 वीं
14	श्री दयाराम रूठेरिया	पुरूष	37	बैगा	10 वीं
15	श्री करनसिंह धुर्वे	पुरूष	30	बैगा	12 वीं

ग्राम–विक्रमपुर

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री महेन्द्रसिंह मार्को	पुरूष	35	गोंड	10 वीं
2	श्री राजेश सैयाम	पुरूष	28	गोंड	12 वीं
3	श्री दादूलाल पुत्र श्री लुहार	पुरूष	55	बैगा	तीसरी
4	श्रीमतीदशमी बाई पत्नी श्री केशराम	महिला	50	बैगा	अशिक्षित
5	श्री कृपाराम पुत्र श्री ज्ञानसिंह	पुरूष	67	बैगा	अशिक्षित

ग्राम–ठाढ़पथरा

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री चेतराम	पुरूष	35	बैगा	9 वीं
2	श्री जुगुलसिंह	पुरूष	60	बैगा	चौथी
3	श्री ज्ञानसिंह सैयाम	पुरूष	32	गोंड	12 वीं
4	श्रीमती इन्द्रवती सैयाम	महिला	30	गोंड	8 वीं
5	श्री धतरूसिंह मरावी	पुरूष	45	बैगा	साक्षर
6	श्री झिंगरूसिंह मरावी	पुरूष	30	बैगा	8 वीं
7	श्री भिम्मासिंह मरावी	पुरूष	48	बैगा	निरक्षर
8	श्री धुनारीसिंह मरावी	पुरूष	62	बैगा	चौथी पास
9	श्री लिखारी सिंह मरावी	पुरूष	55	बैगा	निरक्षर
10	श्री पुसऊसिंह मरावी	पुरूष	40	बैगा	निरक्षर

ग्राम–कांदापानी

कमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री फूलसिंह देवगड़िया	पुरूष	38	बैगा	12 वीं
2	श्री भागवत देवगड़िया	पुरूष	22	बैगा	10 वीं
3	श्री गोरेलाल मरावी	पुरूष	20	बैगा	8 वीं
4	श्रीमती लमियाबाई	महिला	60	बैगा	अशिक्षित
5	श्री ज्ञानसिंह रठूड़िया	पुरूष	45	बैगा	7 वीं
6	श्री रामरतन देवगड़िया	पुरूष	28	बैगा	बी.ए.

ग्राम–दादर टोला

कमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री मोहनसिंह देवगड़िया	पुरूष	27	बैगा	8 वीं
2	श्रीमती फूलवती मरावी	महिला	22	बैगा	9 वीं
3	श्रीमती शिवमती देवगड़िया	महिला	25	बैगा	10 वीं

ग्राम–मानपुर

कमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री पंचमसिंह धुर्वे देवगड़िया	पुरूष	27	गोंड	12 वीं
2	श्री दुर्गेश कुमार	पुरूष	24	गोंड	10 वीं
3	श्री बालमुकुन्द	पुरूष	22	गोंड	12 वीं

ग्राम–सिंगपुर

कमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री रूपचंद मार्को	पुरूष	35	धुलिया	5 वीं
2	श्री प्रतापसिंह पदम	पुरूष	52	गोंड	5वीं
3	श्री गंगासिंह धुर्वे	पुरूष	38	गोंड	11 वीं
4	श्री मुंशीसिंह मरकाम	महिला	35	गोंड	8 वीं
5	श्री बिहारीसिंह मरकाम पुत्र श्री धनुआंसिंह मरकाम	पुरूष	32	गोंड	तीसरी

ग्राम–तांतर

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री गोबिंदसिंह बोरकर पुत्र श्री छतरूसिंह	पुरूष	34	धोबा	8 वीं
2	श्री राजेन्द्र कुमार माण्डले	पुरूष	28	धोबा	बी.ए.

ग्राम–सिलपीड़ी

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री गेंदालाल	पुरूष	26	बैगा	8 वीं
2	श्री इतवारी	पुरूष	42	बैगा	अशिक्षित
3	श्री सेमलाल	पुरूष	30	बैगा	10 वीं
4	श्री कुलदीप अर्मो	पुरूष	32	गोंड	12 वीं

ग्राम–तरच

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री सुकाल सिंह	पुरूष	35	गोंड	5 वीं
2	श्री ब्रजलाल सिंह	पुरूष	40	गोंड	8 वीं

ग्राम–मिढ़ली, बजाग,अम्हादादर, लदरादादर

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री कुंदनसिंह	पुरूष	30	गोंड	10 वीं
2	श्री संदीप कुमार	पुरूष	19	बैगा	12 वीं
3	श्री चंद्रभान	पुरूष	35	गोंड	5 वीं
4	श्रीमती सुशीला बाई	महिला	58	गोंड	8 वीं

ग्राम–चकरार

क्रमांक	नाम	पुरूष / महिला	आयु (वर्ष में)	जनजाति	शैक्षणिक योग्यता
1	श्री विसालू परस्ते	पुरूष	42	गोंड	चौथी पास
2	श्रीमती ज्योति मरावी	महिला	35	गोंड	10 वीं
3	श्री मोहवली मरकाम	पुरूष	30	गोंड	8 वीं
4	श्री बलीराम	पुरूष	45	गोंड	5 वीं
5	कुमारी जमुना तेकाम	महिला	20	गोंड	10 वीं
6	श्री मोतीराम मरावी	पुरूष	60	गोंड	5 वीं
7	श्री भादूसिंह	पुरूष	35	गोंड	निरक्षर
8	श्री विदेश कुमार	पुरूष	27	गोंड	12 वीं
9	श्री प्रतापसिंह	पुरूष	70	गोंड	दूसरी
10	श्री सुखसेन धुर्वे	पुरूष	32	गोंड	8 वीं
11	श्री राजेश कुमार मरकाम	पुरूष	25	गोंड	12 वीं

शासकीय उपयोग हेतु प्रतिवेदन क्रमाक

वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र (चॉड़ा) जिला–डिण्डौरी (म.प्र.) का मूल्यांकन अध्ययन

(वर्ष 2017–2018)

निर्देशन– श्री प्रेमचन्द मीना, आई.ए.एस.
संचालक

मार्गदर्शन– श्री नीतिराज सिंह
संयुक्त संचालक

श्रीमती मधु गुप्ता
अनुसंधान अधिकारी

क्षेत्रीय कार्य एवं प्रतिवेदन– एम0डी0 कनेरिया
अनुसंधान सहायक

आदिमजाति अनुसंधान एवं विकास संस्था,म0प्र0शासन

35,श्यामला हिल्स, भोपाल (म0प्र0)

दूरभाष :–0755–2661259, 2661126,2661375

tribho@nic.in

अनुकमणिका

अध्याय कमांक	विषय		पृष्ठ कमांक
1	प्रस्तावना		1—7
2	क्षेत्र एवं जनजातीय परिचय		8—11
3	वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र एवं संचालन की वर्तमान स्थिति		12—16
4	वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की जानकारी एवं जनजातीय समुदाय पर उनका प्रभाव		17—27
	1	वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रम	17—20
	2	वन्या सामुदायिक रेडियो केन्द्र द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों का जनजातीय जीवन पर प्रभाव	20—21
	3	विकास के प्रति जागरूकता	21—22
	4	जनजातीय समुदाय के उत्साह का आंकलन	22—23
	5	जनजातीय जीवन में अर्थ का महत्व	23—24
	6	जनजातीय समुदाय का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण	24—26
	7	रेडियो का सामाजिक चेतना पर प्रभाव	26—27
5	निष्कर्ष एवं सुझाव		
	1	निष्कर्ष	28—29
	2	सुझाव	30—33
	छायाचित्र		34—36
	साक्षात्कार लिये गये व्यक्तियों की सूची		37—44